॥ श्रीरामदूताय नमः ॥

हनुमान जी के 108 नाम

प्रचलित नामावली और सरल संकेतार्थ

1. ॐ आञ्जनेय नमः - माता अंजनी के पुत्र
2. ॐ महावीर नमः - महान वीर और साहसी
3. ॐ हनुमान नमः - दृढ़ हनु और पराक्रमी स्वरूप
4. ॐ मारुतात्मज नमः - पवनदेव के पुत्र
5. ॐ तत्त्वज्ञानप्रद नमः - सच्चे ज्ञान की प्रेरणा देने वाले
6. ॐ सीतादेवीमुद्राप्रदायक नमः - सीता जी को श्रीराम की मुद्रिका देने वाले
7. ॐ अशोकवनिकाच्छेत्ता नमः - अशोक वाटिका के वृक्षों को उखाड़ने वाले
8. ॐ सर्वमायाविभञ्जन नमः - माया और भ्रम को दूर करने वाले
9. ॐ सर्वबन्धविमोक्ता नमः - बंधन से मुक्ति दिलाने वाले
10. ॐ रक्षोविध्वंसकारक नमः - राक्षसी शक्तियों का विनाश करने वाले
11. ॐ परविद्यापरिहार नमः - विरोधी विद्या के प्रभाव को दूर करने वाले
12. ॐ परशौर्यविनाशन नमः - अधर्मी शौर्य का दमन करने वाले
13. ॐ परमन्त्रनिराकर्ता नमः - हानिकारक मंत्र-प्रभाव को निष्फल करने वाले
14. ॐ परयन्त्रप्रभेदक नमः - अनिष्टकारी यंत्रों को भेदने वाले
15. ॐ सर्वग्रहविनाशी नमः - दुष्प्रभावों को शांत करने वाले
16. ॐ भीमसेनसहायकृत नमः - भीमसेन की सहायता करने वाले
17. ॐ सर्वदुःखहर नमः - दुःख में आशा और संबल देने वाले
18. ॐ सर्वलोकचारी नमः - सभी लोकों में विचरण करने वाले
19. ॐ मनोजव नमः - मन के समान तीव्र गति वाले
20. ॐ पारिजातद्रुमूलस्थ नमः - पारिजात वृक्ष के नीचे विराजमान
21. ॐ सर्वमन्त्रस्वरूप नमः - सभी पवित्र मंत्रों के भावरूप
22. ॐ सर्वतन्त्रस्वरूपी नमः - साधना-विधियों के ज्ञाता
23. ॐ सर्वयन्त्रात्मक नमः - सुरक्षा के पवित्र साधनों के आधार

24. ॐ कपीश्वर नमः - वानरों के श्रेष्ठ नायक

25. ॐ महाकाय नमः - वशिाल और समर्थ देह वाले

26. ॐ सर्वरोगहर नमः - रोग-काल में धैर्य देने वाले

27. ॐ प्रभु नमः - समर्थ और पूज्य

28. ॐ बलसद्धिकिर नमः - साहस और सामर्थ्य जगाने वाले

29. ॐ सर्ववद्यिासम्पत्प्रदायक नमः - ज्ञान-संपदा की प्रेरणा देने वाले

30. ॐ कपसिैनानायक नमः - वानर सेना के नायक

31. ॐ भवष्यिच्चतुरानन नमः - भावी ब्रह्मा माने गए

32. ॐ कुमारब्रह्मचारी नमः - संयमी ब्रह्मचारी

33. ॐ रत्नकुण्डलदीप्तमिान नमः - रत्न-कुण्डलों से शोभति

34. ॐ सञ्चलद्वालसन्नद्धलम्बमानशखिोज्ज्वल नमः - चंचल पूँछ और उज्ज्वल शखिा वाले

35. ॐ गन्धर्ववद्यिातत्त्वज्ञ नमः - संगीत और कलाओं के तत्त्वज्ञ

36. ॐ महाबलपराक्रम नमः - असीम बल और पराक्रम वाले

37. ॐ कारागृहवमिोक्ता नमः - कैद और बंधन से मुक्ति के प्रतीक

38. ॐ शृंखलाबन्धमोचक नमः - जंजीरों के बंधन खोलने वाले

39. ॐ सागरोत्तारक नमः - समुद्र को लाँघने वाले

40. ॐ प्राज्ञ नमः - अत्यंत बुद्धमिान

41. ॐ रामदूत नमः - श्रीराम के संदेशवाहक

42. ॐ प्रतापवान नमः - तेज और प्रभाव से युक्त

43. ॐ वानर नमः - वानर-रूप धारण करने वाले

44. ॐ केसरीसुत नमः - केसरी के पुत्र

45. ॐ सीताशोकनविारक नमः - सीता जी का शोक दूर करने वाले

46. ॐ अञ्जनागर्भसम्भूत नमः - अंजनी के गर्भ से प्रकट हुए

47. ॐ बालार्कसदृशानन नमः - उगते सूर्य जैसा तेजस्वी मुख

48. ॐ वभिीषणप्रयिकर नमः - वभिीषण का हति करने वाले

49. ॐ दशग्रीवकुलान्तक नमः - रावण-कुल के अंत में सहायक

50. ॐ लक्ष्मणप्राणदाता नमः - लक्ष्मण के प्राण बचाने वाले

51. ॐ वज्रकाय नमः - वज्र के समान सुदृढ़ शरीर वाले

52. ॐ महाद्युति नमः - महान तेज वाले

53. ॐ चरिञ्जीवी नमः - चरिकाल तक वद्यिमान माने गए

54. ॐ रामभक्त नमः - श्रीराम के अनन्य भक्त

55. ॐ दैत्यकार्यवघिातक नमः - अधर्मी कार्यों में बाधा डालने वाले

56. ॐ अक्षहन्ता नमः - अक्षयकुमार का वध करने वाले

57. ॐ काञ्चनाभ नमः - स्वर्ण समान दीप्तमिान

58. ॐ पञ्चवक्त्र नमः - पाँच मुखों वाले स्वरूप

59. ॐ महातपस्वी नमः - महान तप और संयम वाले

60. ॐ लङ्कणिीभञ्जन नमः - लंकनिी का अभमिान तोड़ने वाले

61. ॐ श्रीमान नमः - शोभा और सद्गुणों से युक्त

62. ॐ सहिकिाप्राणभञ्जन नमः - सहिकिा का संहार करने वाले

63. ॐ गन्धमादनशैलस्थ नमः - गंधमादन पर्वत से जुड़े

64. ॐ लङ्कापुरवदिाहक नमः - लंका नगरी को दग्ध करने वाले

65. ॐ सुग्रीवसचवि नमः - सुग्रीव के बुद्धमिान मंत्री

66. ॐ धीर नमः - धैर्यवान और स्थरिबुद्धि

67. ॐ शूर नमः - पराक्रमी वीर

68. ॐ दैत्यकुलान्तक नमः - अधर्मी दैत्यों का अंत करने वाले

69. ॐ सुरार्चति नमः - देवताओं द्वारा पूजति

70. ॐ महातेजा नमः - महान तेजस्वी

71. ॐ रामचूडामणप्रिद नमः - श्रीराम को सीता जी की चूड़ामणि देने वाले

72. ॐ कामरूपी नमः - इच्छानुसार रूप धारण करने वाले

73. ॐ पङ्गिलाक्ष नमः - सुनहरे-भूरे नेत्रों वाले

74. ॐ वार्धमिैनाकपूजति नमः - समुद्र-पार जाते समय मैनाक द्वारा सम्मानति

75. ॐ कबलीकृतमार्तण्डमण्डल नमः - बाल्यकाल में सूर्य को फल समझने वाले

76. ॐ वजितिेन्द्रयि नमः - इन्द्रयिों पर वजिय पाने वाले

77. ॐ रामसुग्रीवसन्धाता नमः - श्रीराम और सुग्रीव की मैत्री कराने वाले

78. ॐ महारावणमर्दन नमः - महान रावण का दमन करने वाले

79. ॐ स्फटकिाभ नमः - स्फटकि जैसी नर्मिल आभा वाले

80. ॐ वागधीश नमः - वाणी के स्वामी

81. ॐ नवव्याकृतपिण्डति नमः - व्याकरण और शास्त्रों के वद्विान

82. ॐ चतुर्बाहु नमः - चार भुजाओं वाले दिव्य स्वरूप

83. ॐ दीनबन्धु नमः - दीन-दुखियों के मित्र

84. ॐ महात्मा नमः - उदार और महान आत्मा

85. ॐ भक्तवत्सल नमः - भक्तों पर स्नेह रखने वाले

86. ॐ सञ्जीवननगाहर्ता नमः - संजीवनी वाला पर्वत लाने वाले

87. ॐ शुचि नमः - पवित्र आचरण वाले

88. ॐ वाग्मी नमः - प्रभावी और मधुर वक्ता

89. ॐ दृढव्रत नमः - अटल संकल्प वाले

90. ॐ कालनेमिप्रमथन नमः - कालनेमि का दमन करने वाले

91. ॐ हरिमर्कट नमः - श्रीहरि के सेवक वानर

92. ॐ दान्त नमः - इन्द्रिय-संयमी

93. ॐ शान्त नमः - शांतचित्त

94. ॐ प्रसन्नात्मा नमः - प्रसन्न और निर्मल मन वाले

95. ॐ शतकण्ठमदापहर्ता नमः - अभिमानी शत्रु का मद हरने वाले

96. ॐ योगी नमः - योग और एकाग्रता में स्थित

97. ॐ रामकथालोल नमः - श्रीराम कथा में अनुरक्त

98. ॐ सीतान्वेषणपण्डित नमः - सीता जी की खोज में कुशल

99. ॐ वज्रदंष्ट्र नमः - वज्र समान दृढ़ दाँत वाले

100. ॐ वज्रनख नमः - वज्र समान दृढ़ नख वाले

101. ॐ रुद्रवीर्यसमुद्भव नमः - रुद्र-तेज से उत्पन्न माने गए

102. ॐ इन्द्रजित्प्रहितामोघब्रह्मास्त्रविनिवारक नमः - इन्द्रजीत के ब्रह्मास्त्र का प्रभाव सहने वाले

103. ॐ पार्थध्वजाग्रसंवासी नमः - अर्जुन के रथ-ध्वज पर विराजमान

104. ॐ शरपञ्जरभेदक नमः - बाणों के पिंजरे को भेदने वाले

105. ॐ दशबाहु नमः - दस भुजाओं वाले दिव्य रूप

106. ॐ लोकपूज्य नमः - संसार में पूजित

107. ॐ जाम्बवत्प्रीतिवर्धन नमः - जाम्बवान की प्रसन्नता बढ़ाने वाले

108. ॐ सीतासमेतश्रीरामपादसेवाधुरन्धर नमः - सीता-राम के चरणों की सेवा में अग्रणी

पाठ श्रद्धा और सद्भाव से प्रस्तुत है। विभिन्न प्रचलित प्रतियों में वर्तनी या पाठ-भेद मिल सकते हैं। किसी निश्चित फल या उपचार की गारंटी नहीं है।